जीतो द्वारा मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में
माननीय राज्यपाल का अभिभाषण

दिनांक 10 जून 2023, शनिवार	**समय : 7:00 PM**	**डॉन बॉस्को ऑडिटोरियम, पान बाजार, गुवाहाटी**

असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (SEBA) के चेयरमैन एवं आईएएस श्री रमेश चन्द जैन जी,

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ओर्गेनाइजेशन (JITO) के नॉर्थ ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर के चेयरमैन श्री सुनील कठोतिया जी,

जीतो (JITO) के Administrative Training Foundation के चेयरमैन श्री विनोद दुग्गड़ जी,

जीतो (JITO) के पूर्वी जोन के चेयरमैन श्री विनोद बैद जी,

संगठन के पधाधिकारी एवं कर्मचारीगण,

यहां उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों,

देवियों और सज्जनों,

आप सभी को मेरा नमस्कार

सर्वप्रथम इस समारोह में सम्मानित होने वाले मेधावी विद्यार्थियों को मेरी हार्दिक बधाई। मैं इन विद्यार्थियों के अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई देना चाहूंगा, जिनकी देख-रेख में और सहयोग से ये बच्चे सफलता हासिल कर सके।

मैं विद्यार्थियों के इस बधाई समारोह का आयोजन करने के लिए जीतो (JITO) के अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ। एक व्यवसायिक संगठन होने के बावजूद जीतो (JITO) अपने समाज के आर्थिक और सामाजिक

उत्थान के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। निःसंदेह इस तरह के कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन मिलता और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

इसमें दो राय नहीं कि बच्चों के व्यवहारिक और शैक्षणिक विकास में अभिभावकों और गुरुजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। वे ही बच्चों को सही राह पर चलना सिखाते हैं। शिक्षण संस्थानों की तरह सामाजिक संस्थाएं भी शिक्षा के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों के विकास में अपना योगदान दे रही हैं।

मुझे खुशी है कि असम में कई ऐसी संस्थाएं हैं, जो प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक शिक्षा को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही हैं। ये संस्थाएं समय-समय विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर बच्चों को प्रोत्साहित करती हैं। इन सामाजिक संस्थाओं में जीतो (JITO) भी शामिल है।

मुझे बताया गया है कि जीतो (JITO) जैन समाज की एक सशक्त संस्था है, जो सामाजिक सेवा के साथ अपने समाज के लोगों के आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं शैक्षिक विकास के लिए कार्य करता है।

यह हर्ष का विषय है कि जीतो (JITO) के गुवाहाटी चैप्टर द्वारा समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में उन मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान हो रहा है, जो अपनी कड़ी मेहनत से बोर्ड की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। उनके सम्मान से न सिर्फ उनके माता-पिता और गुरुजन प्रफुल्लित होंगे, बल्कि पूरा जैन समाज भी गौरवान्वित महसूस करेगा।

वास्तव में जीतो (JITO) की गुवाहाटी चैप्टर के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षा का भी सम्मान हो रहा है। मैं इस सराहनीय

कार्य के लिए जीतो (JITO) परिवार को एक बार फिर हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं उन्हें भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करना जारी रखने के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

बंधुओं,

हमारी सरकार भी शिक्षा के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है। असम के स्कूलों में अच्छी शिक्षा व्यवस्था लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम उठाए गए हैं। नई शिक्षा नीति के तहत गुणगत शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी, कौशल विकास पर आधारित शिक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है ताकि युवा पीढ़ी पढ़ाई पूरी करने के बाद अपनी शिक्षा और कौशल का उपयोग देश व समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में अपना योगदान दे सके।

भाइयों और बहनों,

हम सभी जानते हैं कि शिक्षा सभी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने का महत्वपूर्ण मार्ग है। यह एक व्यक्ति को उसके मानसिक, शारीरिक और आत्मिक स्तर को सुधारने में भी मदद करती है।

हम बिना अच्छी शिक्षा के अधूरे हैं, क्योंकि शिक्षा हमें सही सोचने वाला और सही निर्णय लेने वाला बनाती है। इस प्रतियोगी दुनिया में, शिक्षा मनुष्य की भोजन, कपड़े और आवास के बाद प्रमुख अनिवार्यता बन गई है। जितना अधिक हम अपने जीवन में ज्ञान प्राप्त करते हैं, उतना ही अधिक हम अपने जीवन में वृद्धि और विकास करते हैं।

मेरे प्रिय विद्यार्थियों,

अच्छा पढ़ा-लिखा होने का मतलब केवल प्रमाण-पत्र हासिल करना, प्रतिष्ठित और मान्यता प्राप्त संगठन या संस्था में नौकरी प्राप्त करना नहीं होता है, हालांकि इसका यह भी अर्थ होता है जीवन में अच्छे और सामाजिक व्यक्ति होना।

शिक्षा केवल ज्ञानार्जन करना नहीं है। इसका अर्थ खुश रहने, दूसरों को खुश करने, समाज में रहने, चुनौतियों का सामना करने, दूसरों की मदद करने, बड़ों की देखभाल करने, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करने के तरीकों को सीखना भी है।

अंत में मैं अपने शब्दों को विराम देते हुए पुनः समारोह में सम्मानित होने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और भविष्य के उनके कार्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ। मैं जीतो (JITO) को एक बार फिर इस कायर्क्रम के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

धन्यवाद,

जय हिन्द।